Department of Hindi

Choice Based Semester Course

Revised Syllabus

For

Semester - I - IV

From June 2012

Department of Hindi

Credit Based Semester Course

FROM 2012

SEMESTER - I

HIN401 - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास (4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable the students

1. To understand Hindi Literature in the historical perspective.
2. They will know the importance and tradition of History writing in Hindi Literature
3. Literature is closely associated with society. Literature reflects the social systems prevailing in society. This course will help the students to understand the social systems prevailing in the society.
4. To understand the cultural traditions of the Hindi Cultural Belt.

B - Outcome of the Course

1. Develop the skill of gathering information in a scientific manner.
2. Develop right perspective towards society.

यूनिट - 1

1 - हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास

2 - हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन के आधार - स्रोत

- इतिहास अर्थ एवं स्वरूप

3 - हिन्दी साहित्येतिहास की परम्परा और उसके आधार

- काल विभाजन एवं नामकरण
- नामकरण की समस्या

4 - हिन्दी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता एवं समस्याएं

- साहित्य चेतना का विकास
- नवीन शोध परिणाम

(उपरोक्त यूनिट को समझने के लिए आचार्य रामचंद्र शुक्ल तथा डॉ. नगेन्द्र के इतिहास को देखा जा सकता है।)

यूनिट - 2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

- नई कविता*
- काव्यांदोलन की प्रवृत्ति
- ऐतिहासिक आधार
- नई कविता में प्रयोग और प्रतिमान
- सामयिक परिवेश और नई कविता
- नई कविता की उपलब्धि और सीमाएं

(*नई कविता की पूर्व भूमिका के रूप में प्रयोगवाद की चर्चा करें)

यूनिट - 3 साठोत्तरी हिन्दी कविता

- कुछ प्रमुख काव्य आंदोलन और साठोत्तरी कविता
- अंतर्राष्ट्रीय स्थितियाँ और साठोत्तरी कविता
- अनियतकालीन पत्रिकाएं और साठोत्तरी कविता
- साठोत्तरी कविता की उपल्धियाँ
- हिप्पी संस्कृति और साठोत्तरी कविता

यूनिट - 4 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक एवं एकांकी – पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ*

- हिन्दी के महत्वपूर्ण प्रयोगशील नाटक एवं नाटककार तथा प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी के महत्वपूर्ण काव्यनाटक एवं नाटककार तथा प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी के महत्वपूर्ण एकांकी नाटक एवं नाटककार तथा प्रवृत्तियाँ

*(इस यूनिट में प्रवृत्तियों तथा पृष्ठभूमि पर प्रश्न पूछे जाएंगे। रचना विशेष स्वरूपगत अथवा रचनाकारों पर जीवनीपरक प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे। प्रवृत्तियों के संदर्भ में लेखक विशेष की भूमिका अथवा योगदान को ध्यान में रख कर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।)

संदर्भ ग्रंथ

1. नई कविता. डॉ.कांतिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी,भोपाल
2. नया काव्य नए मूल्य, ललित शुक्ल, मैकमिलन , दिल्ली
3. नई कविता-स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. जगदीश गुप्त, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
4. नई कविता की नाट्यमुखी भूमिका, डॉ. हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. रंगदर्शन, नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. इतिहास और आलोचना डॉ.नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. समकालीन कविता पर बहस, जगदीश नारायण श्रीवास्तव, चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद
8. साठोत्तरी हिन्दी कविता-परिवर्तित दिशाएं,विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान,दिल्ली
9. संवाद नई कविता आलोचना और प्रतिक्रिया, डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
10. नई कविता का परिप्रेक्ष्य, डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, नीलाभ प्रकाशन इलाहाबाद
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सं-डॉ नगेन्द्र,
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

HIN402 - सैद्धांतिक भाषा विज्ञान (4- क्रेडिट्स)

A - Objectives

This Course will enable the students towards-

1-Basic understanding of formation of Language

2- To understand the basic reasons behind the behavior of society.

3-To understand the cultural difference in society

B - Outcome of the Course

1-To express thoughts in proper words

2-Scientific attitude

यूनिट - 1 भाषा और भाषा विज्ञान

- भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्ष्ण, भाषा के तीन पक्ष
- भाषा परिवर्तन: कारण एवं दिशाएं
- भाषा विज्ञान: उपयोगिता एवं प्रमुख शाखाएं
- भाषाविज्ञान एवं अन्य शास्त्र(साहित्य, व्याकरण, समाजशास्त्र, इतिहास एवं मनोविज्ञान)

यूनिट - 2 स्वन प्रक्रिया

- वागवयव और उनके कार्य
- स्वन और उनका वर्गीकरण
- स्वनिक परिवर्तन
- स्वनिम की अवधारणा एवं भेद

यूनिट - 3 रूप प्रक्रिया

- शब्द एवं पद
- रूपिम की अवधारणा
- रूपिम के भेद: संबंधदर्शी, अर्थदर्शी, मुक्त एवं बद्ध
- संबंधदर्शी रूपिम के प्रकार
- रूप परिवर्तन: कारण एवं दिशाएं

यूनिट - 4 वाक्यविज्ञान

- वाक्य की अवधारणा, अनिवार्य तत्व, वाक्य में पदविन्यास के आवश्यक गुण
- पद और वाक्य की प्रधानता संबंधी मत(अभिहितान्वयवाद, अन्वितिभधानवाद)
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य परिवर्तन के कारण

संदर्भ ग्रंथ

1- भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

2 - नवीन भाषा विज्ञान, तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

3 - भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

HIN 403 - काव्य शास्त्र (4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable students

1. To develop analytical quality of mind.
2. Knowledge of the critical traditions in languages.
3. Knowing the Indian and Western Critical Thoughts and Aesthetics.

B - Outcome

1. Analytical and composed mindset
2. Correct and wise usage of expression

यूनिट - 1

1. काव्य शास्त्र का महत्व एवं उपादेयता
2. हिन्दी काव्य-शास्त्र की विकासरेखा एवं लक्षण
3. संस्कृत काव्यशास्त्र की विकास रेखा एवं लक्षण
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विकासरेखा एवं लक्ष्ण

यूनिट - 2

1. भारतीय काव्य-शास्त्र की विकास-रेखा के परिप्रेक्ष्य में उन मुद्दों की चर्चा करना जो भारतीय काव्य-शास्त्र की पहचान है। यथा- **सौन्दर्य। आनंद। दर्शन। धर्म।**
2. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की विकास रेखा के परिप्रेक्ष्य में उन मुद्दों की चर्चा करना जो पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की पहचान है। यथा- **समाजाभिमुखता, वाद, विमर्श, राजनीति, धर्म**

यूनिट - 3

1. कुछ महत्वपूर्ण भारतीय आचार्यों का परिचय

   भामह, वामन, आनंदवर्द्धन, अभिनवगुप्त, कुंतक, मम्मट, राजशेखर, हेमचंद्राचार्य

यूनिट-4

1.कुछ महत्वपूर्ण पाश्चात्य समीक्षकों का परिचय

अरस्तू, लॉगिनुस, कॉलरिज, टी.एस. इलियट, डॉ. जॉनसन, मैथ्यू आर्नल्ड, जाक देरिदा, इलेनी शोवॉल्टर

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय काव्य सिद्धांत, संपादक डॉ. नगेन्द्र, डॉ.तारकनाथ बाली, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन, निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय
2. हिन्दी काव्य शास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उसकी विकास परंपरा, डॉ. वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
4. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. भारतीय साहित्यशास्त्र, गणेश त्र्यंबक देशपांडे, अनुवाद- जशवंती दवे

HIN 404 - लोक - जागरण कालीन साहित्य (पद्य) (4 क्रेडीट्स)

A - Objectives

This Course will help the students to

1. Learn different forms, languages, and traditions of poetry.
2. Knowledge of the basic unity in Indian thought tradition.
3. Understanding Indian people and their traditions.

B - Outcome

1. Inculcation of values of Compassion, Forgiveness and Equality.

यूनिट - 1

- मध्यकाल की विभिन्न धर्म-साधनाएँ
- मध्यकाल में भक्ति का स्वरूप
- भक्ति एवं लोक-जागरण

यूनिट - 2

- सगुण एवं निर्गुण भक्ति
- हिन्दी कृष्ण भक्ति कविता का परिचय एवं विशेषताएँ
- अनुभव मंडप
- वचन साहित्य का परिचय एवं विशेषताएँ

यूनिट - 3

- सूरदास का संक्षिप्त परिचय
- भ्रमर-गीत सार के 40 पद

चुने हुए 40 पद (संदर्भ-पं रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित भ्रमरगीत सार)

क्रम	पदक्रम	पद
1	3	तबहिं उपंगसुत आय गए ।
2	7	उद्धव! यह मन निश्चय जानो ।
3	13	कोऊ आवत है तन स्याम ।
4	22	जीवन मुँहचाही को नीको ।
5	23	आयो घोष बड़ो व्यापारी ।
6	25	आए जोग सिखावन पाँडे ।
7	34	लरिकाई को प्रेम, कहौ अलि ।
8	36	वरू वै कुब्जा भलौ कियो ।
9	57	निरखत अंग स्याम सुंदर के बार-बार लावति छाती ।
10	64	निर्गुन कौन देस को वासी ।
11	68	ऐसेई जन दूत कहावत ।
12	83	हरि सो भलो सो पति सीता को ।
13	85	बिन गोपाल बैरनि भई कुंजै ।
14	89	सँदेसनि मधुवन-कूप भरे ।
15	92	हरि है राजनीति पढ़ि आए ।
16	94	ऊधो! जान्यौ ज्ञान तिहारो ।
17	100	अति मलीन वृषभानुकुमारी ।
18	116	ऊधो! हम अज्ञान मति भोरि ।

19	121	ऊधो, प्रीति न मरन विचारै ।
20	138	ऊधो! मन माने की बात ।
21	157	मधुकर! कह कारे की जाति?
22	175	ऊधौ बिरहौ प्रेमु करै ।
23	179	ऊधौ! यह ब्रज बिरह बढ़्यौ ।
24	210	ऊधौ! मन नाहीं दस बीस ।
25	253	मधुकर! देखि स्याम तन तेरो ।
26	255	मधुकर! कहाँ पढ़ि यह नीति ।
27	260	मधुकर! कान्ह कहीं नहिं होही ।
28	278	देखियत कालिंदी अति कारी ।
29	280	किधौं घन गरजत नहिं उन देसनि ?
30	299	देखौ माई ? नयनन्ह सों घन हारे ।
31	316	निसिदिन बरसत नैन हमारे ।
32	333	भूलति हौ कत मीठी बातन ।
33	335	सखि री! मथुरा में द्वै हँस ।
34	342	सब जले तजे प्रेम के नाते ।
35	352	जा जा रे भौंरा ! दूर दूर ।
36	375	सँदेसो, देवकी सों कहियो ।
37	376	हौं तुम पै ब्रजनाथ पठायो आतमज्ञान सिखावन आयो।
38	379	ऊधौ कहैं, 'धन्य ब्रजबाला जिनके सर्वस मदनगोपाल'।
39	382	अब अति पंगु भयो मन मेरो ।
40	400	ऊधो! मोहि ब्रज बिसरत नाही ।

यूनिट - 4

- चयनित वचनकारों का संक्षिप्त परिचय
- संदर्भ के लिए कुछ चुने हुए पद (संदर्भ- वचन, संपादक -कर्णाटक साहित्य अकादमी, बैंग्लुरू)
  - **बसवेश्वर 8 पद (2, 7, 9, 26, 44, 53, 54, 60)**
    1. क्या कुंजर को,
    2. लुंजा मुझे बना दे प्रभु,
    3. तू रीझेगा तो,
    4. पत्थर के नाग देवता,
    5. आदि पुराण असुरों,
    6. बोलो तो ऐसा बोलो जैसे मुँह से,
    7. जग से विशाल, नभ से विशाल
    8. कल की होनी आज
  - **अल्लमप्रभु 6 पद (62, 66, 69, 77, 81, 90)**

1. आकार निराकार,
2. कंचन को समझा,
3. पहाड़ को यदि सर्दी,
4. बाघ के साथ जा कर यदि,
5. वेद ग्रंथ हैं पठनीय वचन,
6. शून्य ने शून्य का बीज,

- **चन्नबसवण्णा 3 पद (100, 103, 104)**
  1. हँसिनी के संग बक,
  2. पतिव्रता बनकर परपुरुष,
  3. सत्यहीन भक्ति सहस्र वर्ष,
- **सिद्धरामेश्वर 4 पद (107, 108, 110, 111)**
  1. अपनी बनाई नारी,
  2. कैलास के नाम पर,
  3. बकरा और अग्नि- दोनों के,
  4. भक्त का मन यदि ललना,
- **अक्कमहादेवी 7 पद (113, 122, 123, 127, 130, 138, 139,)**
  1. सुन री बहना, मैंने देखा,
  2. इहलोक के लिए एक,
  3. कदली है तन,
  4. गिरी वन को छोड़,
  5. गुरु बना बराती,
  6. छाया बन कर तन को,
  7. नींबू संतरा आम,
- **अंबिगरचौडय्या 5 पद (211, 220, 222, 223, 226)**
  1. लघु मान कर उस लिंग को,
  2. मदमस्त डोल रहा केवट,
  3. कहा जाता है शरण सती,
  4. खौलते जल में,
  5. चीर चीथड़ा पहनने वाला,
- **जेडर दासिमय्या 5 पद (251, 254, 256, 260, 262)**
  1. अग्नि जलाता है,
  2. तेल से भरा तिल न भींगता,
  3. भूखा होता है पेट पालकर,
  4. लकड़ी में लुकाई शीतल दहकता
  5. फटी थैली में भर कर,
- **मुक्तायक्का 2पद (200, 202)**
  1. कपड़े जिसने उतार दिये
  2. उल्कापात से बने कुएं की कैसी सीढी

कुल- 40 पद

पाठ्य एवं संदर्भ ग्रंथ

1-भ्रमरगीत सार, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2- वचन, सं. भालचंद्र जयशेट्टी कर्णाटक साहित्य अकादमी, बैंग्लूर

3-बसवेश्वर के वचन, नेश्नल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

4-कन्नड साहित्याचा इतिहास ,लेखक रं श्री मुगळी, अनुवादक गौरीश कायकिणी, साहित्य अकादमी नयी दिल्ली

5-वचन साहित्य परिचय, रं रा दिवाकर, सत्साहित्य केन्द्र, दिल्ली

HIN 405 - भारतीय साहित्य

A - Objectives

This course will encourage the students to

1. Understand Indian Ethos and culture
2. Gain knowledge of different Indian cultures and
3. Gain knowledge of traditions in different Literatures

B - Outcome

1. Value of Nationalism and Brotherhood

यूनिट - 1 भारतीय साहित्य

- अवधारणा
- स्वरूप तथा
- अध्ययन की समस्याएं

यूनिट - 2

- रवीन्द्रनाथ की चुनी हुई 25 कविताओं का अध्ययन

निर्झर का स्वप्न भंग (27)

मेधदूत (39)

अहिल्या के प्रति (45)

हिं टिं छट् (51)

दो पंछी (57)

जाने नहीं दूंगी (59)

वसुन्धरा (85)

ब्राह्मण (106)

पुराना नौकर (111)

उर्वशी (113)

स्वर्ग से बिदायी (116)

जीवन देवता (123)

दीदी (125)

देवता का ग्रास (133)

अभिसार (141)

वैशाख (173)

नव-वर्षा (175)

कृष्ण कली (179)

जन्म कथा (198)

वीर पुरुष (200)

लुका छिपी (202)

संसार सागर के किनारे (203)

अपयश (205)

खो जाना (251)

खो गया हूँ आज अपने जन्म दिन में (298)

यूनिट - 3

- घासीराम कोतवाल का अध्ययन

यूनिट - 4

- भारतीय साहित्य के रूप में रवीन्द्रनाथ की चुनी हुई कविताओं तथा घासीराम कोतवाल का अनुशीलन

पाठ्य-पुस्तक एवं संदर्भ ग्रंथ

1. रवीन्द्रनाथ की कविताएँ,, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. घासीराम कोतवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय साहित्य, डॉ राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेन्द्र,, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. भारतीय साहित्य, डॉ.शशीबाला पंजाबी, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
6. भाषा साहित्य और संस्कृति, सं विमलेश कांति वर्मा, मालती,ओरिएंट लॉंग्मैन, हैद्राबाद

HIN406S - (SEMINAR)

A - Objectives and Outcome

This Course will help the students to

1. To encourage students to develop writing and speaking skills.

इस कोर्स में निम्नलिखित निबंधों की चर्चा होगी तथा विद्यार्थियों से तत्संबंधी लेखन कार्य कराया जाएगा.

यूनिट - 1

- द प्रतापनारायण मिश्र
- दाँत प्रतापनारायण मिश्र
- नारी प्रतापनारायण मिश्र

यूनिट - 2

- हमारी गुदड़ी के लाल बालकृष्ण भट्ट
- जातियों का अनूठापन बालकृष्ण भट्ट
- योग्यता और व्यवसाय का चुनाव माधव राव सप्रे

यूनिट - 3

- गंगा मैया काका कालेलकर
- मित्रता रामचंद्र शुक्ल
- गेहूँ और गुलाब रामवृक्ष बेनीपुरी

यूनिट - 4

- कम्प्यूटर नई क्रांति की दस्तक गुणाकर मुले
- विज्ञापन युग मोहन राकेश
- मज़दूरी और प्रेम सरदार पूरण सिंद

<u>विशेष सूचना</u>

उपरोक्त यूनिट्स में से प्रत्येक में से एक निबंध पर काम करना आवश्यक है। शब्द संख्या 3000 को आप चार निबंधों में विभाजित कर सकते हैं। प्रत्येक निबंध के संदर्भ में 750 शब्दों की सामग्री आप दे सकते हैं। आप अगर अधिक लिखना चाहते हैं तो भी 1000 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिएं। ये निबंध

अलग अलग पुस्तकों में हैं। विद्यार्थी इन्हें पुस्तकालय से प्राप्त करेंगे । इससे पुस्तकालय में जाने का अभ्यास भी विद्यार्थी कर सकेंगे।

सेमीनार के पाठ्यक्रम में विद्यार्थिओं से अपेक्षित है कि वे सारे निबंध पढ़ें। हिन्दी गद्य का सौन्दर्य एवं विशेषताएं पहचानें और अपने अध्यापक के निर्देशन में सेमिस्टर की परीक्षा के लिए सुवाच्य अक्षरों में अपने आलेख तैयार करें। टंकित अथवा कंप्यूटरीकृत आलेख की आवश्यकता नहीं है। अपने वर्ग के दौरान विद्यार्थी निबंधों को ठीक से पढ़ना भी सीखें। इससे उनकी प्रस्तुति में सुधार होगा तथा इससे संबंधित आजीविका प्राप्त करने का उसका कौशल बढ़ेगा। आंतरिक परीक्षा में 1500 अंक का आलेख तैयार करें। साथ ही वाचिक प्रस्तुति भी दें।

- सेमीनार के परीक्षण के मापदंड इस प्रकार होंगे

1-कथ्य 2- प्रस्तुति 3-भाषा –कौशल 4- स्वतंत्र चिंतन

SEMESTER - II

HIN407 - हिन्दी भाषा: स्वरूप और विकास (4क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable the students to

1. Impart information about Hindi Language and Language construction

B - Outcome of the Course

1. Knowledge of the history of Hindi Language and it's formation

यूनिट - 1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- भारतीय आर्य भाषाएं(प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक)
- खड़ीबोली (हिन्दी) का उद्भव और विकास
- हिन्दी के विविध रूप-हिन्दुस्तानी, बोलचाल की हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी

यूनिट - 2 हिन्दी का भौगोलिक क्षेत्र:

- हिन्दी की उपभाषाएं
- हिन्दी की बोलियाँ और उनका क्षेत्र
- हिन्दी की प्रमुख बोलियों की व्याकरणगत सामान्य विशेषताएं (ब्रज, अवधी, भोजपुरी, गढ़वाली, दक्खिनी)

यूनिट - 3 हिन्दी का भाषिक स्वरूप

- हिन्दी की स्वन व्यावस्था
- हिन्दी की रूपरचना
    - (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण)
- हिन्दी की वाक्य संरचना
    - (वाक्य की समर्थता, पदबंध, वाक्य-विन्यास, पदक्रम अन्वय)

यूनिट - 4 हिन्दी की शब्द रचना एवं शब्द संपदा

- हिन्दी की शब्द रचना- मूल, यौगिक, योगरूढ
- शब्द रचना की विविध रीतियाँ
    - उपसर्ग-प्रत्यय लगाकर
    - संधि
    - समास
    - क्रिया, संज्ञा और विशेषण रूप बनाना
- शब्द-संपदा
    - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हरदेव बहारी, लोकभातरी प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
4. हिन्दी भाषा और लिपि, डॉ. धीरेन्द्र , नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

HIN408 - काव्यशास्त्र (समीक्षा संबंधी विविध वाद)(4 क्रेड्ट्स)

A - Objectives

This course will enable the students

1. Developing the analytical quality of mind
2. Knowledge of critical traditions in languages
3. Knowledge of the Indian &Western mind through the critical thought and aesthetics

B - Outcome of the Course

1. Correct and wise usage of expression and
2. The skill of conceptualizing ideas
3. Tips on social behaviour

यूनिट - 1 स्वच्छन्दतावाद

- स्वरूप
- इतिहास
- विशेषताएं
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव/संबंध

यूनिट - 2 अस्तित्ववाद

- दार्शनिक आधार
- इतिहास
- विशेषताएं
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

यूनिट - 3 मार्क्सवाद

- दार्शनिक आधार
- इतिहास
- लक्षण
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

यूनिट - 4 उत्तर संरचनावाद और विखंडनवाद एवं उत्तर- आधुनिक विमर्श

- भाषायी रणनीति
- पाठीयता और अन्तर्पाठीयता, स्त्री पाठ
- आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र: अधुनातन संदर्भ, डॉ. सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी आलोचना की पारिभषिक शब्दावली, डॉ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

HIN 409 - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास(4-क्रेडिट्स)

A - Objective

Knowing the Historical perspective of Hindi Prose and Fiction

Knowledge of the Social Systems prevailing in the society

Knowledge of the cultural traditions of the people of the country

B - Outcome of the Course

Skill of information collection

Development of right perspective towards society

यूनिट - 1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास(1947 - 1980)

- कथ्य एवं शिल्प के स्तर पर आए परिवर्तन
  - लघु उपन्यास और उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, आँचलिक उपन्यास, आधुनिकतावादी उपन्यास, प्रयोगवादी उपन्यास,
- प्रमुख उपन्यासकार एवं उनका प्रदान
  - अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, फणीश्वरनाथ रेणु, राही मासूम रज़ा, निर्मल वर्मा, मन्नू भंडारी,
- प्रमुख उपन्यासों का परिचय
  - सूरज का सातवाँ घोड़ा(धर्मवीर भारती), राग दरबारी(श्रीलाल शुक्ल), धरती धन न अपना(जगदीशचंद्र), सूरजमुखी अँधेरे के(कृष्णा सोबती), अँधेरे बंद कमरे(मोहन राकेश), बलचनमा(नागार्जुन)

यूनिट - 2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास(1980 - 2000)

- नारी विमर्श, दलित विमर्श, उत्तर-आधुनिकतावादी विमर्श (कथ्य एवं शिल्प के स्तर पर)

- प्रमुख उपन्यासकार एवं उनका प्रदान
    - मनोहर श्याम जोशी, विनोद कुमार शुक्ल, ऊषा प्रियंवदा, मैत्रेयी पुष्पा, कमलेश्वर, प्रभा खेतान
- प्रमुख उपन्यास
    - अपने अपने राम(भगवान सिंह), सूखा बरगद(मंज़ूर एहतेशाम), कलिकथा: वाया बायपास(अलका सरावगी), छप्पर(जयप्रकाश कर्दम), आवाँ(चित्रा मुद्गल), जंगल जहाँ शुरु होता है(संजीव), मुझे चाँद चाहिए(सुरेन्द्र वर्मा), आखिरी कलाम(दूधनाथ सिंह)

यूनिट - 3 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी (1947 - 2000)

- विविध कहानी आंदोलन
- हिन्दी कहानी में नारी विमर्श और दलित विमर्श
- प्रमुख कहानीकार:
    - जैनेन्द्रकुमार, यशपाल, रेणु, शिवप्रसाद सिंह, मन्नू भंडारी, मोहन राकेश, निर्मल वर्मा, महप सिंह, काशीनाथ सिंह, रवीन्द्र कालिया, उदय प्रकाश, स्वयं प्रकाश
- प्रमुख स्त्री कहानीकार एवं दलित कहानीकार:
    - उषा प्रियंवदा, कृष्णा सोबती, मृदुला गर्ग, मृणाल पांडे, जया जादवानी, ओम्प्रकाश वाल्मिकी, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टाँकभोरे, सूरजपाल चौहान

यूनिट - 4 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध (1947 - 2000)

- 1947 - 2000 तक के निबंधों का विकासत्मक अध्ययन (हिन्दी निबंध के विभिन्न मोड़)
- प्रमुख निबंधकार एवं उनका प्रदान (1947 - 1980)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, डॉ. नगेन्द्र, शिवप्रसाद सिंह,
- प्रमुख निबंधकार एवं उनका प्रदान(1980 - 2000)
    - विवेकी राय, कुबेरनाथराय, विद्यानिवास मिश्र, निर्मल वर्मा, शरद जोशी,

संदर्भ ग्रंथ

1. उपन्यास स्थिति और गति, चंद्रकांत बांदिवडेकर,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास, रामदरश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. कहानी-स्वरूप और संवेदनाएं, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
6. छप्पर-जयप्रकाश कर्दम, संगीता प्रकाशन, दिल्ली, 1994

7. मुक्तिपर्व मोहनदास नैमिशराय, अनुराग प्रकाशन, दिल्ली 1999

HIN410EA - स्वरूप आधारित हिन्दी गद्य(4-क्रेडिट्स)

स्वरूप कहानी

A - Objectives

Knowledge of Hindi thought process and different prose forms.

To create social understanding and knowledge of human behaviour.

Enjoying the pleasure of language usage

B - Outcome

Learning Hindi prose forms will prove instrumental in creating a better society

यूनिट - 1 हिन्दी कहानी के निर्माण में कमलेश्वर और मन्नू भंडारी की भूमिका

- नई कहानी के प्रमुख कहानीकार
- पुरानी और नई कहानी में स्वरूपगत अंतर
- नई कहानी के स्वरूपगत निर्माण के संदर्भ में कमलेश्वर का योगदान
- नई कहानी के स्वरूपगत निर्माण के संदर्भ में मन्नू भंडारी का योगदान

यूनिट - 2 मेरी प्रिय कहानियां- कमलेश्वर

- स्वरूप,
- सामाजिकता,
- युगबोध के रूप से अध्ययन एवं अनुशीलन

यूनिट - 3 प्रतिनिधि कहानियाँ - मन्नू भंडारी

- स्वरूप

- सामाजिकता
- युगबोध के रूप से अध्ययन एवं अनुशीलन

यूनिट - 4 मेरी प्रिय कहानियाँ तथा प्रतिनिधि कहानियाँ

- संरचना
- भाषा
- कथा-शिल्प का अध्ययन

पाठ्य ग्रंथ एवं संदर्भ ग्रंथ

1. मेरी प्रिय कहानियाँ- कमलेश्वर, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. प्रतिनिधि कहानियाँ- मन्नु भंडारी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली
3. कहानी-स्वरूप और संवेदनाएं, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
4. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया - डॉ. आनन्द प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. आज की कहानी - विजय मोहन सिंह , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति - सं. देवीशंकर अवस्थी , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. कहानी की बात – मार्कण्डेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

HIN410EB - युग आधारित हिन्दी गद्य(4-क्रेडिट्स)

प्रेमचंद युग

A - Objectives

1. Knowledge of the thought process prevalent in different ages of Hindi literature
2. To create social understanding and knowledge of human behaviour.
3. Enjoying the pleasure of language usage

B - Outcome

1. Create a better society.

यूनिट - 1 प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास एक विहंगावलोकन

- प्रेमचंद युग के प्रमुख उपन्यासकार
- प्रेमचंद युग के उपन्यासों की विशेषताएं
- उपन्यासकार- प्रेमचंद एवं जैनेंद्र साहित्यिक परिचय

यूनिट - 2 गोदान विश्लेषण एवं व्याख्या

- गोदान में किसानों की स्थिति एवं ज़मींदारी प्रथा
- गोदान में सहज मानवीय व्यवहारों का आलेखन
- गोदान में उपस्थित सामाजिक (ग्रामीण एवं शहरी) चित्रों की व्याख्या
    - स्त्री-पुरुष संबंधों की दृष्टि से
    - सामाजिक संबंधों की दृष्टि से

यूनिट - 3 त्यागपत्र विश्लेषण एवं व्याख्या

- त्यागपत्र में प्रस्तुत सामाजिक परिवेश
- त्यागपत्र में मानवीय संबंधों का निरूपण
- त्यागपत्र की विशिष्ट कथन पद्धति
- त्यागपत्र का भाषा सौष्ठव

यूनिट - 4 गोदान एवं त्यागपत्र

- गोदान उपन्यास का स्त्री-पक्ष
- त्यागपत्र उपन्यास का स्त्री-पक्ष

पाठ्य एवं संदर्भ ग्रंथ

1. गोदान, प्रेमचंद लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. त्यागपत्र, जैनेन्द्र कुमार
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी उपन्यास- एक अन्तर्यात्रा, डॉ.रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. प्रेमचंद- जीवन कला और कृतित्व, हंसराज रहबर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
7. जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, पूर्वोदय प्रकाशन , दिल्ली

HIN411EA - स्वरूप आधारित हिन्दी पद्य(4-क्रेडिट्स)

लंबी कविता

A - Objectives

Knowledge of Hindi thought process and different prose forms.

To create social understanding and knowledge of human behaviour.

Enjoying the pleasure of language usage

B - **Outcome**

Learning Hindi prose forms will prove instrumental in creating a better society.

यूनिट - 1 लंबी कविता की सैद्धांतिक भूमिका

- लंबी कविता का स्वरूप
- इतिहास

- लक्षण
- मुख्य कवि (परिचय)

यूनिट - 2 असाध्य वीणा

- लंबी कविता के रूप में कविता की व्याख्या
- संवेदना
- भाषा-सौन्दर्य

यूनिट - 3 अँधेरे में

- लंबी कविता के रूप में कविता की व्याख्या
- अँधेरे में कविता में फैंटेसी का आलेखन
- अँधेरे में कविता में संवेदना का स्वरूप

यूनिट - 4 आत्महत्या के विरूद्ध

- लंबी कविता के रूप में आत्महत्या के विरूद्ध कविता की व्याख्या
- आत्महत्या के विरूद्ध कविता में भारतीय लोकतंत्र का स्वरूप
- आत्महत्या के विरूद्ध कविता में भाषा-वैशिष्ट्य

संदर्भ ग्रंथ

1. लंबी कविताएं और नरेन्द्र मोहन, डॉ रमेश सोनी, नवराज प्रकाशन, दिल्ली
2. अज्ञेय की कविता- एक मूल्यांकन, चंद्रकांत बांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली
3. मुक्तिबोध: काव्य और जीवन विवेक,चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. रघुवीर सहाय, सं विष्णु नागर, असद ज़ैदी, आधार प्रकाशन, पंचकुला

HIN 411EB युग आधारित हिन्दी पद्य(4-क्रेडिट्स)

छायावाद

A - Objectives

1 Knowledge of Hindi sensibility in different ages of Hindi Literature.

2 To learn the rhythm of language

B - Outcome

1-Instrumental in creating a better individual

यूनिट - 1 छायावाद स्वरूप एवं लक्षण

- छायावाद युगबोध(राजनैतिक एवं साहित्यिक परिवेश)
- छायावाद के लक्षण
- छायावाद के प्रमुख कवि

यूनिट - 2 कामायनी की दार्शनिक भूमिका

- कामायनी का समग्र वस्तु-विवेचन
- प्रत्यभिज्ञा दर्शन एवं आनंदवाद

(चिन्ता, आनंद सर्ग-व्याख्या के लिए)

यूनिट - 3 कामायनी का काव्य-सौन्दर्य

- कामायनी में छायावादी सौन्दर्यबोध
- कामायनी में स्वरूपगत नवीनता

(लज्जा सर्ग, व्याख्या के लिए)

यूनिट - 4 रश्मिबंध की चुनी हुई कविताएं

- रश्मीबंध में छायावादी सौन्दर्य बोध
- चुनी हुई कविताओं का सौन्दर्य धर्मी अध्ययन
- चुनी हुई कविताओं का युगीन महत्व

(व्याख्या हेतु कविता क्रम 1 से 18, 20 एवं 23)

पाठ्य ग्रंथ एवं संदर्भ ग्रंथ

1. कामायनी, भारती भंडार, इलाहाबाद
2. रश्मिबंध, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
3. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
4. जयशंकर प्रसाद, आ. नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध,रचनाली-4 राजकमल प्रकाशन दिल्ली
6. कवि कर्म और काव्य भाषा, परमानंद श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली
7. सुमित्रानंदन पंत, नंददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, दिल्ली

HIN 412 - SEMINAR (4-क्रोडिट्स)

Objectives and Outcome

1. To initiate poetry appreciation and art of poetry analysis.

इस कोर्स में चुनी हुई कविताओं का वर्ष दौरान अध्यापक द्वारा काव्यास्वाद एवं काव्य विश्लेषण कराया जाए तथा विद्यार्थियों को लिखने का अभ्यास भी कराया जाए। मध्य-सेमिस्टर परीक्षा के लिए 1500 शब्दों का आलेख जमा करना होगा। वर्षान्त में कम-से कम 3000 शब्दों में आलेख जमा करवाया जाए। आलेख में **काव्यास्वाद की प्रक्रिया, काव्यस्वाद के आधार, पाठ्यक्रम में दी हुई कविताओं का आस्वाद** आदि पर बात हो सकती है। काव्यास्वाद एवं काव्य-विश्लेषण की प्रक्रिया में अध्यापक एवं विद्यार्थी दोनों की सहभागिता अपेक्षित है। विद्यार्थी चाहे तो स्वतंत्र रूप से भी काव्यास्वाद कर सकता है। वर्ष दौरान किये गए अभ्यास एवं वर्षान्त में किए हुए प्रस्तुतिकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन (30 अंक का) होगा। बाह्य प्रस्तुतिकरण के लिए कम से कम चार कविताओं का आस्वाद अनिवार्य होगा। अर्थात् एक कविता के विश्लेषण में आप 600 शब्दों तक लिख सकते हैं। निम्नलिखित प्रत्येक यूनिट से एक कविता अपेक्षित है।

यूनिट - 1

1. आली री म्हारे णेणा बाण पड़ी	मीराँबाई
2. मेरो मन अनत कहाँ सुख पायो	सूरदास
3. तब तौं छवि पीवत जीवत हौं	घनानंद

यूनिट - 2

1. बीती विभावरी जाग री	जयशंकर प्रसाद
2. जूही की कली	निराला
3. मैं नीर भरी दुख की बदरी	महादेवी

यूनिट - 3

1. ऊषा	शमशेर बहादुर सिंह
2. चंदू मैंने सपना देखा	नागार्जुन
3. साँप	अज्ञेय

यूनिट - 4

1. कुदाली	केदारनाथ सिंह
2. देवी	चंद्रकांत देवताले
3. विदूषक की प्रार्थना	मोहन डहेरिया

मूल्यांकन के आधार(आंतरिक एवं बाह्य दोनों के लिए)

1- कथ्य

2- प्रस्तुति

3- भाषा

4- स्वतंत्र चिंतन

SEMESTER - III

HINDI 501 - हिन्दीतर प्रांतों का हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं रचना (4- क्रेडिट्स)

(गुजराती)

A - Objectives

Gujarat has a close linguistic and cultural link with Hindi. This course will enable the students to have information and knowledge of Hindi Literature written in Gujarat since medieval times.

B - Outcome of the Course

It will strengthen the cultural ties and develop the feeling of belongingness in the students.

Students will have the practical experience of the importance of the National Language Hindi.

यूनिट - 1 गुजरात में लिखा हिन्दी का मध्यकालीन साहित्य

- वैष्णव भक्ति काव्य-धारा
    - संप्रदाय मुक्त एवं संप्रदाय बद्ध काव्य धारा
- संत काव्य धारा
    - दादूदयाल एवं अखाजी की काव्यधारा
    - स्वामीनारायण काव्य परंपरा

यूनिट - 2 गुजरात में लिखा हिन्दी स्वातंत्र्योत्तर का साहित्य(पद्य)

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता का इतिहास

यूनिट - 3 गुजरात में लिखा हिन्दी स्वातंत्र्योत्तर का साहित्य(गद्य)

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का इतिहास

यूनिट - 4 गुजरात में लिखा हिन्दी स्वातंत्र्योत्तर का साहित्य(गद्य)

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी का इतिहास

संदर्भ ग्रंथ

1. गुजरात के हिन्दी साहित्य का इतिहास, रमण पाठक, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

2. गुजरात का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य, भगवत शरण अग्रवाल, हिन्दी साहित्य अकादमी, गाँधीनगर
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य- गुजरात, सं रधुनाथ भट्ट, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद
4. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, सं-रघुवीर चौधरी, वाचिकम् हिन्दी विभाग, गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
5. गुजरात का समकालीन हिन्दी साहित्य, सं-डॉ. अंबाशंकर नागर, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद

HIN502 - **काव्यशास्त्र (सृजन और सौन्दर्य) (4-क्रेडिट्स)**

A - Objectives

This Course will help

1- To teach fine intricacies of poetry prevalent in Indian and Western Criticism

B - Outcome of the Course

1- Students will develop insight for understanding and analyzing poetry.

यूनिट - 1 रस-निष्पत्ति

- भरत का रस-सूत्र
- भट्ट लोल्लट
- आचार्य शंकूक
- भट्ट नायक
- अभिनवगुप्त के रस निष्पत्ति संबंधी मंतव्य

यूनिट - 2 सर्जन-प्रक्रिया

- कल्पना की अवधारणा
- सहृदय
- प्रतिभा- विवेचन
- साधारणीकरण
- विरेचन
- लोक-मंगल की अवधारणा

यूनिट-3 काव्य-शोभा एवं अर्थ

- अलंकार
- शब्द शक्ति
- गुण-विवेचन
- काव्य-बिंब

- छन्द और कविता का अन्तर्संबंध
- इमेन्युएल कांट की सौन्दर्य संबंधी अवधारणा

यूनिट-4 काव्य-भाषा संबंधी विवेचन

- वर्डस्वर्थ
- इलियट,
- कुन्तक
- राजशेखर
- काव्य भाषा एवं काव्यात्मक भाषा

(उपर्युक्त पाठ्यक्रम में काव्य निर्माण के प्रमुख अंगों को भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से किस तरह देखा गया है इसका अध्ययन करना है। काव्य-शोभा , काव्य गति, काव्य-भाषा एवं सृजनप्रक्रिया के विषय में दिए गए मंतव्यों का अध्ययन करना इष्ट है।)

संदर्भ ग्रंथ

1. रस सिद्धांत और सौन्दर्य शास्त्र, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. अभिनव का रस विवेचन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी काव्यशास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उनकी विकास परंपरा, डॉ.वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन संदर्भ, डॉ सत्यदेव मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. चिंतामणी-1, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान , दिल्ली
7. सर्जन और भाषिक संरचना,रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. कॉलरिज और उनका साहित्यशास्त्र, डॉ.उदयशंकर श्रीवास्तव, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा

HIN503 - प्रयोजन मूलक हिन्दी(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. To train the students to use correct language usages
2. To train students for job opportunities.
3. Combining the traditional knowledge with modern system and techniques

B - Outcome of the Course

1. Develop technical know-how
2. Skill acquired for implementing the use of Language in varied forms and manners

यूनिट - 1 कामकाजी हिन्दी

- हिन्दी के विभिन्न रूप-
  - सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा
- पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व,
- पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धांत ।

यूनिट - 2 हिन्दी-कंप्यूटिंग

- हिन्दी कंप्यूटिंग की प्राथमिक जानकारी
- यूनिकोड
- इण्टरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
- हिन्दी ब्लॉग-निर्माण का इतिहास
- पावर- पॉईन्ट प्रेज़ेन्टेशन
- एक्सेल का परिचय एवं साहित्य-अध्ययन के संदर्भ में उपयोगिता

यूनिट - 3 दृश्य-माध्यम सिनेमा, फिल्म, टेलीविज़न

- दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति
- पटकथा लेखन, टेली –ड्रामा, डॉक्यू-ड्रामा
- दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य

यूनिट - 4 श्रव्य-माध्यम रेडियो

- श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति
- रेडियो नाटक
- समाचार लेखन
- फीचर तथा रिपोतार्ज

संदर्भ ग्रंथ

1. राजभाषा हिन्दी, कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ.रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
3. फिचर लेखन- स्वरूप और शिल्प, डॉ.मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. इलोक्ट्रानिक मीडिया, सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ.रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. जनसंचार विविध आयाम, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

7. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. व्यावहारिक हिन्दी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. दृश्य-श्रव्य एवं संचार माध्यम,डॉ कृष्णकुमार रत्तू, राजस्तान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
10. हिंदी ब्लॉगिंग अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति : संपादक अविनाश वाचस्पति और रवीन्द्र प्रभात मूल्य : 495/- (डाक खर्च अलग से(प्रकाशक हिंदी साहित्य : निकेतन, 16, साहित्य विहार, बिजनौर (.प्र.ऊ) 246701
11. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास, रवीन्द्र प्रभात मूल्य :250 /-(डाक खर्च अलग से)

हिंदी साहित्य निकेतन ,16, साहित्य विहार, बिजनौर उ.प्र 24670

HIN504EA - दलित लेखन(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. Study of post-modern literary trends.
2. Knowledge about marginal issues.

B - Outcome of the Course

1. Widening of cultural area of understanding.
2. Expansion of Sensibilities.

यूनिट - 1दलित लेखन

- अवधारणा
- परिचयात्मक इतिहास

यूनिट - 2 दलित सौंदर्यशास्त्र का परिचय

- दलित सौन्दर्य शास्त्र के लक्षण एवं विशेषताएं
- दलित सौन्दर्यशास्त्र के सैद्धांतिक आधार

यूनिट - 3 दोहरा अभिशाप

- कथ्य की दृष्टि से विश्लेषण
- दलित सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से विश्लेषण

यूनिट - 4 जूठन

- कथ्य की दृष्टि से विश्लेषण
- दलित सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से विश्लेषण

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्य में दलित चेतना, सं-देवेन्द्र चौबे, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
2. दलित साहित्य- स्वरूप और संवेदना, सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन गाजियाबाद
3. अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज, ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा,दिल्ली
4. दलित सहित्य- इतिहास, वर्तमान और भविष्य, नटराज प्राकशन दिल्ली
5. दलित चेतना और स्त्री, सं- विजय कुमार संदेश, डॉ. नामदेव, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
6. मुख्यधारा और दलित साहित्य, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. दलित सौन्दर्यशास्त्र, ओम्प्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली

IN504EB - महिला लेखन(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1- Study of post-modern literary trends.
2- Knowledge about marginal issues.

B - Outcome of the Course

1- Widening of social and cultural areas of understanding.
2- Expansion of traditional sensibilities.

यूनिट - 1 नारीवादी साहित्य

- नारीवादी साहित्य स्वरूप एवं अवधारणा
- चेतना, विमर्श, वाद, महिला लेखन

यूनिट - 2 हिन्दी महिला लेखन का इतिहास

- स्वतंत्रता पूर्व महिला लेखन
- स्वातंत्र्योत्तर लेखन लेखन

यूनिट - 3 उपनिवेश में स्त्री:

- नारीवादी अध्ययन

यूनिट - 4 शाल्मली :

- विश्लेषणात्मक अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन , दिल्ली
2. श्रृंखला की कडियाँ, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नारीवाद राजनीति, संघर्ष और मुद्दे, (सं)साधना आर्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. आधुनिक कथा साहित्य में नारी- स्वरूप और प्रतिमा, सं-डॉ उमा शुक्ल, डॉ.माधुरी छेड़ा,अरविन्द प्रकाशन बंबई
5. भारतीय नारी-कल आज और कल, सरोज गुप्ता, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
6. स्त्री चेतना के प्रस्थान बिन्दु, सुनीता गुप्ता, प्राकाशन संस्थान, दिल्ली

HIN505EA - विश्व साहित्य(4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. To create an understanding of a world view.
2. Knowledge of World Literature.

B - Outcome of the Course

1. Inculcate value of vasudhaiva kutumbakam

यूनिट - 1

- चीनी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास

यूनिट - 2

- नोर्वेजियन उपन्यास साहित्य का परिचयात्मक इतिहास

यूनिट - 3

- लु शुन की रचनाएँ, डॉ. करण सिंह चौहान, साहित्य अकादमी, दिल्ली

यूनिट - 4

- क्नुत हाम्सन की कृति पान का विश्लेषणात्सक अध्ययन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ पुस्तकें

यह पाठ्यक्रम सर्वथा नवीन है, अतः इस पर संदर्भ पुस्तकों का निर्माण करना होगा ।

HIN505EB - प्रादेशिक साहित्य(4 क्रेडिट्स)

उत्तर-पूर्व का साहित्य*

A - Objective of the Course

1. Introduce the students to the different literatures written in Indian Languages.
2. Create a strong relationship and bond between people living in this country.

B - Outcome of the Course

1. Students will develop an understanding of real nationalism.

यूनिट - 1

- उत्तर-पूर्व भारत – एक परिचय

यूनिट - 2

- मणिपुरी साहित्य एवं असमिया साहित्य का परिचयात्मक इतिहास

यूनिट - 3

- आधुनिक मणिपुरी कविताएँ, इबोहलसिंह कांग्जम, संपा.डॉ.देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

यूनिट - 4

- अस्तराग, होमेन बरगोहाई, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ

1. मणिपुरी कविता मेरी दृष्टि में, डॉ देवराज, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. पूर्वांचल प्रदेश में हिन्दी भाषा और साहित्य डॉ ई जीनी (अन्तर्जाल पर उपलब्ध)

HIN505EC - तुलनात्मक साहित्य*(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives of the Course

1. To develop the literary understanding of different literatures.

2. To broaden and sharpen the critical faculty.

B - Outcome of the Course

1. Will Understanding Literature in cultural contexts.

यूनिट – 1 तुलनात्मक साहित्य : परिचय

- अवधारणा, अर्थ ,परिभाषा, स्वरूप
- तुलनात्मकता के क्षेत्र
- तुलनात्मक साहित्य का महत्व, प्रविधि एवं प्रासंगिकता

यूनिट - 2 कम्ब रामायण (अयोध्या कांड)

- कथा
- वस्तु
- महत्व

यूनिट - 3 रामचरितमानस (अयोध्या कांड)

- कथा
- वस्तु
- महत्व

यूनिट - 4 कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

- कथा की दृष्टि से
- वस्तु की दृष्टि से
- महत्व की दृष्टि से

*(किसी एक साहित्यिक स्वरूप का तुलनात्मक अध्ययन)

संदर्भ ग्रंथ

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका- इन्द्रनाथ चौधुरी
2. तुलनात्मक साहित्य-संपादक- डॉ.नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य- महावीरसिंह चौहान

4. Comparative Literature, Master and Method, A Owen Aldridge, Urbana
5. Comparative Literature, Theory and Practice, Editor- Amiya Dev, Sisirkumar
6. तुलनात्मक अध्ययन- निकष एवं निरूपण, प्रो.आई.एन. चंद्रशेकर रेड्डी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
7. तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद, प्रो. बी.वाय ललितांबा, अविराम प्रकाशन, दिल्ली

HIN505ED - प्रवासी साहित्य(4 क्रेडिट्स)

A - Objectives of the Course

1-To introduce the students to literature written in diasporas.

B - Outcome of the Course

1-Expansion of the sensibilities in reference to globalization.

यूनिट - 1

- प्रवासी हिन्दी साहित्य- अवधारणा और स्वरूप

यूनिट - 2

- मॉरिशस तथा अमरीका का हिन्दी साहित्य

यूनिट - 3

- लाल पसीना , अभिमन्यु अनत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

यूनिट - 4

- कितना बड़ा झूठ, उषा प्रियंवदा,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ

1. सृजन गाथा , प्रवासी अंक, नेट पर उपलब्ध
2. नेट पर उपलब्ध सामग्री
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रमण पाठक

HIN506S - (4 क्रेडिट्स)

A - Objective of the Course.

To encourage students in professional and critical writing

B - Outcome of the Course

Students will be able to apply the theoretical knowledge learnt during the semester.

यूनिट - 1

- प्रिंट, श्रव्य एवं दृश्य माध्यमों में विज्ञापन लेखन -1 प्रस्तुति

यूनिट - 2

- आधुनिक कहानियों एवं मध्यकालीन काव्य के आधार पर विज्ञापन लेखन -2 प्रस्तुतियां

यूनिट - 3

- गद्य अथवा पद्य में में मिथक- रामायण एवं/अथवा महाभारत पर आधारित कृतियाँ-1 प्रस्तुति

यूनिट - 4

- हिन्दी कविताओं में बिम्ब एवं/अथवा अलंकार प्रधान रचनाओं की समीक्षा-1 प्रस्तुति

सूचना

विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में अपनी रुचि के अनुसार कृतियाँ चुन सकता है। प्रत्येक यूनिट में से विद्यार्थी को कम-से-कम एक कृति का चुनाव करना है तथा उस पर काम करना है। यूनिट 3 गद्य/पद्य में, निर्देशानुसार, किसी भी विधा की कृति चुनी जा सकती है। यहाँ अपेक्षित यह है कि गद्य तथा/ अथवा पद्य में मिथक का विनियोग कैसे होता है – इस बात को छात्र अपने आप कर सकें। उसी तरह बिम्ब तथा अलंकार प्रधान रचना की समीक्षा करने की पद्धति विद्यार्थी जान सकें।

- विद्यार्थी पुस्तकालय में जाकर साहित्य प्राप्त करें तथा सेमिस्टर में पढ़े हुए पाठ्यक्रम के आधार पर उक्त कार्य करें ऐसी अपेक्षा है।
- सेमीनार के परीक्षण के मापदंड इस प्रकार होंगे

1-कथ्य 2- प्रस्तुति 3-भाषा –कौशल 4- स्वतंत्र चिंतन

SEMESTER - IV

HIN507 - हिन्दी भाषा प्रशिक्षण एवं कोश विज्ञान (4-क्रेडिट्स))

A - Objectives

1-Gujarat is a Non-Hindi speaking State.

2-Impart proper training to the students regarding the different uses of Hindi Language.

B - Outcome of the Course

1-Students will learn to use language in different formats

2- Better chances to get job.

यूनिट - 1 विभिन्न प्रकार के भाषा पाठों का अध्ययन

- सिद्धांत और अनुप्रयोग-पाठ विश्लेषण की प्रक्रिया-रूप, पद, वाक्य, वाक्य प्रोक्ति
- भाषा पाठ-संरचनाः वाक्य तथा अर्थ

(प्रथम रश्मि, नौका विहार तथा वह बुड्ढा)

यूनिट - 2 व्यतिरेकी भाषा प्रशिक्षण (गुजराती तथा हिन्दी)

- गुजराती की विभक्तियां
- हिन्दी की विभक्तियाँ
- गुजराती के लिंग
- हिन्दी के लिंग

यूनिट - 3 निबंध लेखन *

- निबंध की भाषा
- निबंध की शैली
- विभिन्न प्रकार के निबंधों में प्रयुक्त भाषा का पाठ
- निबंध लेखन

यूनिट - 4 कोश- निर्माण

- विभिन्न प्रकार के कोशों का परिचय, ,महत्व एवं उपयोगिता
- हिन्दी कोशों का परिचय
- कोश निर्माण के सिद्धांत

- कोश निर्माण में आने वाली बाधाएं

*इस यूनिट में साहित्य का स्वरूप बदला जा सकता है। जब भी पाठ्यक्रम में परिवर्तन होगा, निबंध के स्थान पर कहानी, रेखाचित्र, रिपोतार्ज आदि को शामिल किया जा सकता है.

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा शिक्षणःसिद्धांत एवं प्रविधि, मनोरमा गुप्ता, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, केन्द्रीय हिन्दी संसंथान, आगरा
3. मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग,(चार भाग)रमेश चंद्र मेहरोत्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी की आधारभूत शब्दावली , वी.रा जगन्नाथन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा
5. व्यावहारिक हिन्दी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिन्दी तथा गुजराती का तुलनात्मक व्याकरण विचार,साहित्य संकुल संस्थान, साहित्य संगम प्रकाशन, सूरत
7. सरल हिन्दी,यासमीन सुल्तान नक़वी,किताब महल,इलाहाबाद
8. हिन्दी वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, अचार्य किशोरीदास वाजपेयी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद का कोश विशेषांक (94-95) अनुवाद परिषद् दिल्ली

HN508 - शोध-प्रविधि(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1- To teach how to systemize knowledge.

B - Outcome of the Course

1- Develop scientific attitude

यूनिट - 1 शोध की परिभाषा स्वरूप एवं महत्व

- शोध का अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति, तत्व
- शोध के तत्व
- शोध और समीक्षा
- शोध का उद्देश्य एवं महत्व

यूनिट - 2 शोध के प्रकार

- साहित्यिक शोध
- तुलनात्मक शोध
- ऐतिहासिक शोध

- भाषा वैज्ञानिक शोध
    - शैली वैज्ञानिक शोध
    - समाज भाषा वैज्ञानिक शोध
    - मनोभाषा वैज्ञानिक शोध
- अन्तर्विद्याकीय शोध
    - साहित्य का समाज शास्त्रीय शोध
    - साहित्य का मनोवैज्ञानिक शोध

यूनिट - 3 शोध के उपकरण प्रक्रिया एवं प्रविधि

- पुस्तकालय, अन्तर्जाल
- शोध प्रक्रिया
    - चयन, संकलन, निर्माण, प्रकार, संदर्भ, सूची अवतरण, निर्देश आदि
- शोध प्रविधि
    - आलोचनात्मक प्रविधि
    - वैज्ञानिक प्रविधि
    - भाषिक अनुसंधान प्रविधि
    - शब्द-कोश निर्माण की प्रविधि

यूनिट - 4 शोध-पत्र

- शोध-पत्र लेखन - प्रक्रिया एवं प्रविधि

संदर्भ ग्रंथ

1- नवीन शोध-विज्ञान, डॉ तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2- साहित्यिक अनुसंधान के आयाम, डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन, नेश्नल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3- शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली
4- अनुसंधान- स्वरूप एवं प्रविधि, डॉ. रामगोपाल शर्मा दिनेश, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
5- अनुसंधान की प्रक्रिया-डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ विजयेन्द्र स्नातक, नेश्नल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
6- अनुसंधान का स्वरूप, डॉ. सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
7- आधुनिक शोध-पद्धति, डॉ. रामगोपाल सिंह जादौन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
8- शोध-प्रविधि, डॉ विनयमोहन शर्मा, नेश्नल पब्लिशिंग हाऊस, नयी दिल्ली
9- अनुसंधान का विवेचन, डॉ उदयभानु सिंह, हिन्दी साहित्यसंसार, दिल्ली
10-अनुसंधान पद्धति की विवेचना, डॉ. डी आर भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

HIN509 - अनुवाद अध्ययन(4- क्रेडिट्स)

A - Objectives of the Course

1- To train the students in the Art of Translation

2- Keep the students abreast of the present day situations

B - Outcome of the Course

1 - Easy Placement

2 - Make them self dependant

यूनिट - 1 सामान्य जानकारी

- अनुवाद - परिभाषा,
- स्वरूप
- महत्व
- प्रकार
- अनुवाद-प्रक्रिया

यूनिट - 2

- अनुवाद और राजभाषा

यूनिट - 3 साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद

- काव्य, नाटक, कथा, निबंध
- समाज-शास्त्रीय, वैज्ञानिक,पत्रकारिता, विधि

यूनिट - 4

- अनुवाद में उत्तर-आधुनिकता

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. अनुवाद कला,डॉ.एन ई विश्वनाथ अय्यर,प्रभात प्रकाशन दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ, रवीन्द्रनाथ श्रीवस्तव,आलेख प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद साधना, पूरनचंद टंडन,अभिव्यक्ति प्रकाशन दिल्ली
5. राजभाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका, डॉ गार्गी गुप्त,,डॉ.पूरनचंद टंडन,. भारतीय अनुवाद परिषद्. दिल्ली
6. अनुवाद का नया चेहरा, डॉ,कृष्ण कुमार रत्तू,राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

7. अनुवाद प्रक्रिया, रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि, दिल्ली
8. अनुवाद कला- सिद्धांत और प्रयोग,डॉ कैलास चंद्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
9. सामाजिक विज्ञानों की पारिभाषिक शब्दावली का समीक्षात्मक अध्ययन डॉ.गोपाल शर्मा,एस. चाँद एंड कंपनी, दिल्ली
10. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं,डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
11. अनुवाद की सामाजिक भूमिका, रीतारानी पालीवाल, सचिन प्रकाशन दिल्ली
12. अनुवाद के विविध आयाम, डॉ.पूरनचंद टंडन, तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली
13. काव्यानुवाद की समस्याएं, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
14. अनुवाद का उत्तर जीवन, डॉ रमण, वाणी प्रकाशन , दिल्ली

HIN510 - विशिष्ट साहित्यकार - गजानन माधव मुक्तिबोध*(4- क्रेडिट्स)

A - Objective of the Course

1-To teach how to study an author in totality

B - Outcome of the Course

1-Will learn the technique of studying a particular Author
2-Learn to assess a person in totality.

यूनिट - 1 मुक्तिबोध का साहित्यिक प्रदान

- संक्षिप्त जीवन परिचय
- युगीन पृष्ठभूमि
- कृतित्व

यूनिट - 2 मुक्तिबोध की कविता

- हिन्दी के काव्य आंदोलन और मुक्तिबोध की कविता
- मुक्तिबोध की काव्य यात्रा
- मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताएं

यूनिट -3 मुक्तिबोध की पाँच कविताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

- मुझे क़दम क़दम पर

- दिमागी गुहान्धकार का ओरांग उटांग
- भूल –गलती
- ब्रह्मराक्षस
- अँधेरे में

यूनिट – 4 मुक्तिबोध का साहित्य चिंतन एवं समीक्षा दृष्टि

- मुक्तिबोध के साहित्य चिंतन की दिशा
- दृष्टि का टकराव और मुक्तिहोध की समीक्षा-दृष्टि
- समीक्ष्य निबंधों का वैशिष्ट्य
    - साहित्य के दृष्टिकोण
    - जनता का साहित्य किसे कहते हैं
    - साहित्य और जिज्ञासा
    - काव्य: एक सांस्कृतिक प्रक्रिया
    - काव्य की रचना-प्रक्रिया:एक

*इस कोर्स में पाठ्यक्रम परिवर्तन के समय भिन्न-भिन्न लेखकों का समावेश किया जाएगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. मुक्तिबोध- कविता और जीवन विवेक, डॉ. चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. मुक्तिबोध की कविताएँ, बिम्ब-प्रतिबिंब, नंद किशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
3. मुक्तिबोध- ज्ञान और संवेदना, नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. मुक्तिबोध-विचारक, कवि और कथाकार, डॉ सुरेन्द्रप्रताप,नेक्षन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. मुक्तिबोध युग चेतना और अभिव्यक्ति, डॉ.आलोक गुप्त, भारत पुस्तकालय, दिल्ली

HIN511- हिन्दी रंगमंच(4- क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. Knowledge of traditional methods of presentation
2. Knowledge of social ills
3. Protecting cultural values

B - Outcome of the course

1. Confidence to face the problems of society
2. Confidence in handling human behavior

यूनिट - 1 हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

- संस्कृत रंगमंच का परिचय
- पाश्चात्य रंगमंच का परिचय
- हिन्दी रंगमंच का परिचय

यूनिट - 2 हिन्दी रंगमंच

- हिन्दी रंगमंच की विशेषताएं
- हिन्दी रंगमंच तथा नाटक :भेद एवं विशेषताएँ

यूनिट - 3 अँधेर नगरी

- कथ्य की दृष्टि से अध्ययन
- रंगमंच की दृष्टि से अध्ययन

यूनिट - 4 अंधा युग

- कथ्य की दृष्टि से अध्ययन
- रंगमंच की दृष्टि से अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

1. अंधा युग ,धर्मवीर भारती संजय बुक सेंटर, वाराणसी
2. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष-गिरीश रस्तोगी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी नाट्य परिदृश्य,डॉ.धीरेन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
5. रंगदर्शन, नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी नाटक और रंगमंच-पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान

8. हिन्दी प्रतीक नाटक, रमेश गौतम, नाचिकेत प्रकाशन, दिल्ली
9. अंधा युग- पाठप्रदर्शन, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र-सृष्टि, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

HIN512 - PT (4 क्रेडिट्स)

A - Objective

1. To encourage and train the students to handle self expression.

B - Outcome of the Course

1. Help the students to prepare for job possibilities.

प्रोजेक्ट वर्क

छात्र को प्रस्तुत विकल्पों में से किसी एक का चुनाव करना होगा।

- शोध-पत्र लेखन — टंकित 20-25 पृष्ठ
- रूपांतर (कहानी से नाटक,) — टंकित 15 पृष्ठ
- स्क्रिप्ट-लेखन — टंकित 15 पृष्ठ

(श्रव्य अथवा दृश्य माध्यम के लिए कहानी, एकांकी, निबंध स्वरूपों का स्क्रिप्ट लेखन)

विशेष सूचनाएं

- प्रोजेक्ट अनिवार्य रूप से कंप्यूटरीकृत होना चाहिए।
- शोध पत्र लेखन, रूपांतर एवं स्क्रिप्ट लेखन में प्रविधि का पालन करना अनिवार्य है।

❖ एम.ए . (हिन्दी) के चारों सेमिस्टर के लिए

❖ परीक्षा एवं परीक्षण संबंधी सामान्य सूचनाएं

- कोर्स 401 से 511[1] तक के सभी कोर्सेस में 1-4 प्रत्येक यूनिट में से एक दीर्घ तथा एक लघु प्रश्न पूछा जाएगा।
- प्रत्येक यूनिट से 14 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें लंबा प्रश्न 10 अंक का होगा तथा इसका शब्द विस्तार 500-600 शब्दों के बीच लिखा जा सकता है।
- लघु प्रश्न 4 अंक का होगा जिसका शब्द विस्तार 100 शब्दों का रहेगा।
- पाँचवाँ प्रश्न वस्तुगत प्रकार का होगा। इस प्रश्न में चारों यूनिट में से प्रश्न पूछे जाएंगे। ये प्रश्न बहुविकल्पीय, रिक्त स्थान भरें, जोड़ मिलाएं तथा सही गलत वाले होंगे। इस बात का ध्यान रखा जाए कि प्रश्न का एक ही सही उत्तर हो। कुल चौदह अंक के वस्तुगत प्रश्न पूछे जाने हैं, अतः उपरोक्त सभी प्रकारों को योग्य न्याय दे कर प्रश्न पूछे जाएं।

➢ यूनिट-1	क अथवा क	(दीर्घ प्रश्न)	10अंक	500-600 शब्द
	▪ ख अथवा ख	(लघु प्रश्न)	4अंक	100 शब्द
➢ यूनिट-2	क अथवा क	(दीर्घ प्रश्न)	10अंक	500-600 शब्द
	▪ ख अथवा ख	(लघु प्रश्न)	4अंक	100 शब्द
➢ यूनिट-3	क अथवा क	(दीर्घ प्रश्न)	10अंक	500-600 शब्द
	▪ ख अथवा ख	(लघु प्रश्न)	4अंक	100 शब्द
➢ यूनिट-4	क अथवा क	(दीर्घ प्रश्न)	10अंक	500-600 शब्द
	▪ ख अथवा ख	(लघु प्रश्न)	4अंक	100 शब्द

- यूनिट-5 14 अंक के वस्तुगत प्रश्न उपरोक्त चारों यूनिट में से पूछे जाएं। सभी यूनिट में से प्रश्न पूछे जाने अनिवार्य है। प्रत्येक यूनिट में से तीन-तीन तथा शेष दो किसी भी यूनिट में से पूछे जा सकते हैं।
  - (बहुविकल्पीय, सही - गलत, रिक्त स्थान, जोड़ बनाएं)

कुल 14*5 = 70 अंक की परीक्षा + 30 आंतरिक =100

1-नोट- * 406, 412, 506 तथा 512 में नहीं। ये सेमीनार तथा प्रकल्प योजना (प्रोजेक्ट-वर्क) के कोर्सेस हैं।